॥ श्रीमदच्युताष्टकम् ॥

अच्युताच्युतहरे परमात्मन्
राम कृष्ण पुरुषोत्तम विष्णो ।
वासुदेव भगवन्ननिरुद्ध
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ १ ॥

विश्वमङ्गलविभो जगदीश
नन्दनन्दन नृसिंह नरेन्द्र ।
मुक्तिदायक मुकुन्द मुरारे
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ २ ॥

रामचन्द्र रघुनायक देव
दीननाथ दुरितक्षयकारिन् ।
यादवेन्द्र यदुभूषण यज्ञ
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ३ ॥

देवकीतनय दुःखदवाग्ने
राधिकारमण रम्यसुमूर्ते ।
दुःखमोचन दयार्णव नाथ

श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ४ ॥

गोपिकावदनचन्द्रचकोर
नित्य निर्गुण निरञ्जन जिष्णो ।
पूर्णरूप जय शङ्कर शर्व
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ५ ॥

गोकुलेश गिरिधा रणधीर
यामुनाच्छतटखेलन वीर ।
नारदादिमुनिवन्दितपाद
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ६ ॥

द्वारकाधिप दुरन्तगुणाब्धे
प्राणनाथ परिपूर्ण भवारे ।
ज्ञानगम्य गुणसागर ब्रह्मन्
श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ७ ॥

दुष्टनिर्दलन देव दयाळो
पद्मनाभ धरणीधर शौरे ।
रावणान्तक रमेश मुरारे

श्रीपते शमय दुःखमशेषम् ॥ ८ ॥

अच्युताष्टकमिदं रमणीयम्

निर्मितं भवभयं विनिहन्तुम् ।

यः पठेद्विषयवृत्तिनिवृत्तिम्

जन्मदुःखमखिलं स जहाति ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितमच्युताष्टकम् ॥

Sri Kamakoti Mandali [srigurupaduka@yahoo.com]